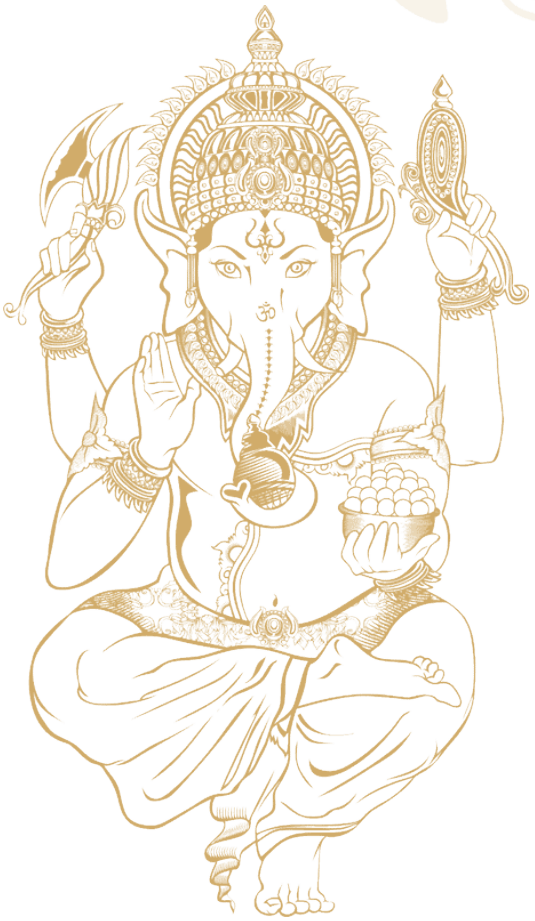

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/12/1996	जन्म तिथि	23/01/2000
बुधवार	दिन	रविवार
घंटे 11:35:00	जन्म समय	17:12:00 घंटे
घटी 10:59:56	जन्म समय(घटी)	24:57:39 घटी
India	देश	India
Ghaziabad	स्थान	Kasganj
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	27:48:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	78:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:15:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:01	सूर्योदय	07:06:33
17:30:01	सूर्यास्त	17:47:58
23:48:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 7वर्ष 7मा 12दि	25:48:51	कुंभ	लग्न	कर्क	02:04:12	केतु 1वर्ष 8मा 20दि
शनि	09:55:06	धनु	सूर्य	मक	08:54:50	सूर्य
07/08/2020	14:21:26	मिथु	चंद्र	सिंह	10:03:02	14/10/2021
08/08/2039	03:02:11	कन्या	मंगल	कुंभ	21:08:04	14/10/2027
शनि 11/08/2023	25:13:03	धनु व	बुध	मक	13:53:20	सूर्य 31/01/2022
बुध 20/04/2026	29:48:23	धनु	गुरु	मेष	03:04:10	चन्द्र 02/08/2022
केतु 30/05/2027	16:11:50	वृश्चि	शुक्र	धनु	04:30:07	मंगल 08/12/2022
शुक्र 30/07/2030	07:13:13	मीन	शनि	मेष	16:33:14	राहु 01/11/2023
सूर्य 12/07/2031	09:29:56	कन्या व	राहु	कर्क	09:49:56	गुरु 20/08/2024
चन्द्र 09/02/2033	09:29:56	मीन व	केतु	मक	09:49:56	शनि 02/08/2025
मंगल 21/03/2034	09:05:19	मक	हर्ष	मक	22:08:46	बुध 08/06/2026
राहु 25/01/2037	02:46:09	मक	नेप	मक	10:09:20	केतु 14/10/2026
गुरु 08/08/2039	10:20:15	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:17:49	शुक्र 14/10/2027

लग्न-चलित

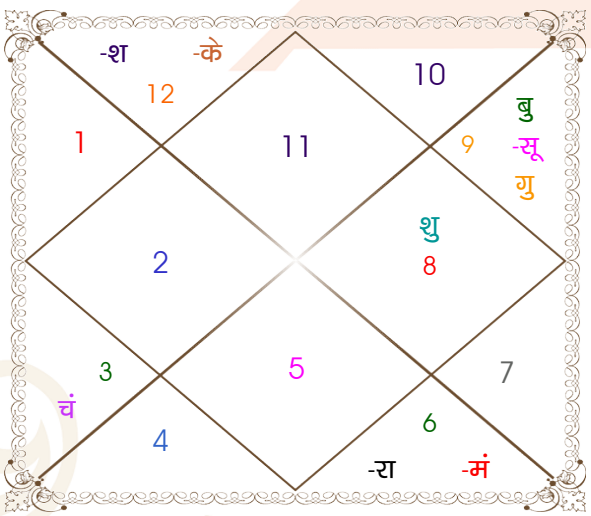

लग्न-चलित

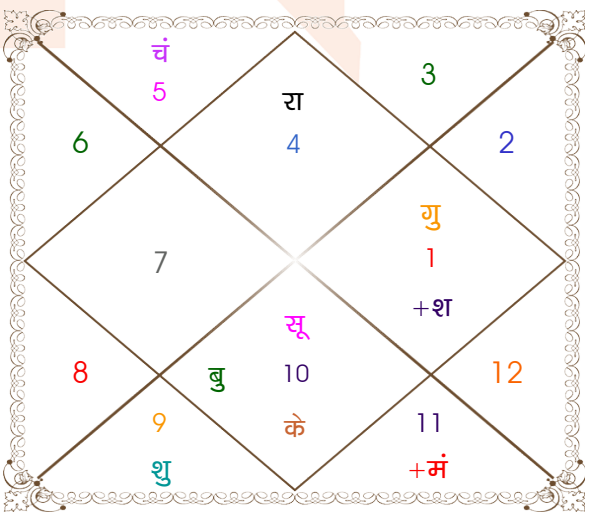

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।